

No. of Printed Pages : 7

MES-102

MASTER OF ARTS (EDUCATION)/

P. G. DIPLOMA IN HIGHER

EDUCATION

[M. A. (EDU)/ PGDHE]

Term-End Examination

December, 2024

MES-102 : INSTRUCTION IN HIGHER EDUCATION

Time : 3 Hours

Maximum Weightage : 70%

Note : (i) *All questions are compulsory.*

(ii) *All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about
600 words :

Discuss with examples the Bloom's Taxonomy of Educational Objectives. Explain its significance in teaching-learning process.

C-2087/MES-102

P. T. O.

Or

Explain various competencies of an effective teacher.

2. Answer the following question in about **600** words :

Discuss the importance of 'reliability' and 'validity' of a tool. Explain the methods which can be used to check the reliability of a tool.

Or

Describe any *three* tools which can be used to assess the attainment in co-scholastic areas.

3. Write short notes on any *four* of the following in **150** words each :

- (a) Content analysis
- (b) Differentiate between seminar and the panel discussion.
- (c) Importance of formative assessment

- (d) Merits of Computer Assisted Learning (CAL)
- (e) Sociometric technique
- (f) Differentiate between linear and branching programme instruction.

4. Answer the following question in about **600** words :

Suggest the ways you will improve the lecture to make it more interactive in your classroom.

MES-102

परास्नातक कला (शिक्षा)/ उच्चतर शिक्षा
में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

[एम. ए. ई. डी. यू./ पी. जी. डी. एच. ई.]

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.ई.एस.-102 : उच्च शिक्षा में अनुदेशन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

ब्लूम के शैक्षिक उद्देश्यों की बर्गिकी (ब्लूमस टैक्सोनामी ऑफ एजुकेशनल ऑब्जेक्टिव्स) की सोदाहरण परिचर्चा

कीजिए। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए।

अथवा

एक प्रभावी शिक्षक की विविध योग्यताओं की व्याख्या कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

एक उपकरण की 'विश्वसनीयता' एवं 'वैधता' के महत्व की परिचर्चा कीजिए। परीक्षण की विश्वसनीयता की जाँच करने के लिए किन विधियों का प्रयोग किया जा सकता है, व्याख्या कीजिए।

अथवा

सह-शैक्षिक क्षेत्रों (को-स्कालैस्टिक एरियाज) में लब्धि-आकलन के लिए प्रयोग किए जा सकने वाले किन्हीं तीन उपकरणों का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक लगभग

150 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) विषयवस्तु-विश्लेषण

(ब) संगोष्ठी और पैनल चर्चा (सेमिनार एण्ड पैनल

डिस्कशन) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(स) रचनात्मक आकलन का महत्व

(द) कम्प्यूटर साहाय्यित अधिगम (सी. ए. एल.) के

गुण/ विशेषताएँ।

(य) समाजमितीय विधि/ तकनीक

(र) रेखीय एवं शाखीय (लीनियर एण्ड ब्रांचिंग प्रोग्राम)

अभिक्रम में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

अपने कक्षाकक्ष में व्याख्यान को और अधिक अन्तः-क्रियात्मक बनाने के लिए आप किस प्रकार उसे सुधारेंगे ? उपाय/तरीके सुझाइए।

× × × × × × ×